



संदेश

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर कोल इंडिया परिवार के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई! किसी भी स्वतंत्र राष्ट्र में जो महत्व राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रगान एवं राष्ट्रीय चिन्हों का होता है, वही महत्व उस राष्ट्र की राजभाषा का होता है। वस्तुतः भाषा, किसी भी राष्ट्र की सामाजिक एवं सांस्कृतिक धरोहर की अभिव्यक्ति का माध्यम होती है। साथ ही भाषायी एकता से ही राष्ट्र की अखंडता सुदृढ़ होती है। अपनी सर्वव्यापकता, उदारता एवं ग्रहणशीलता के कारण हिंदी भारत की संपर्क भाषा होने के साथ-साथ संघ सरकार की राजभाषा भी है।

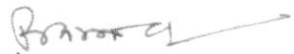
भारत बहुत तेजी से विकसित देशों की श्रेणी में आने को तत्पर है और हम जीवन के हर क्षेत्र में अग्रणी हो रहे हैं। ऐसे में यदि हम अपनी समृद्ध बौद्धिक परंपरा और आधुनिक ज्ञान का समावेश राजभाषा का प्रयोग करते हुए करें, तो और भी तेजी से प्रगति की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

हमारे कोयला खनन के क्षेत्र मूलतः हिंदी भाषी क्षेत्रों में स्थित है। ऐसे में कोयला उत्पादन बढ़ाने के उपाय के रूप में श्रमिक बंधुओं को नवीनतम तकनीकों की जानकारी देने, खनन क्षेत्र के आस-पास रहने वाले स्थानीय निवासियों से संवाद करने, उनकी समस्याओं को समझने एवं निराकरण करने, जलवायु परिवर्तन से संबंधित प्रशिक्षण देने आदि अन्य कार्यों में हिंदी का उपयोग हमारी क्षमता को द्विगुणित कर देता है। मुझे खुशी है कि इन क्षेत्रों में कोल इंडिया में हिंदी के प्रयोग में पहले की अपेक्षा काफी वृद्धि हुई है और हम निरंतर प्रयत्नशील हैं। इसी प्रयास के तहत लगभग सभी अनुषंगियों में गृह-पत्रिकाएँ, समाचार बुलेटिन, पैम्फलेट, प्रशिक्षण सामग्री आदि हिंदी में प्रकाशित हो रहे हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में समस्त सरकारी कामकाज प्रायः कंप्यूटरों पर किया जा रहा है, इसे सुगम बनाने के लिए हिंदी के विभिन्न ई-टूल्स जैसे यूनिकोड, हिंदी की-बोर्ड, लीला स्वयं हिंदी शिक्षण सॉफ्टवेयर, श्रुतलेखन, ई-महाशब्दकोष आदि विकसित किए गए हैं जिससे कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करना सहज हो गया है। इन हिंदी सॉफ्टवेयरों की उपलब्धता से अब अंग्रेजी जानने वाले अधिकारी / कर्मचारी भी अपना सरकारी कामकाज बड़ी सरलता से हिंदी में कर सकते हैं। मुझे विश्वास है कि इन सॉफ्टवेयरों के अधिकाधिक प्रयोग से राजभाषा कार्यान्वयन को गति मिलेगी।

आइए, हिंदी दिवस के पावन अवसर पर हम सब यह प्रण करें कि राजभाषा हिंदी के प्रति हम अपने संवैधानिक उत्तरदायित्व को पूरा करने में सक्रिय सहयोग देंगे और भविष्य में अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करेंगे।

जय हिंद !


(प्रमोद अग्रवाल)